शैक्षिक भ्रमण रिपोर्ट
राष्ट्रिय शिक्षा दिवस यात्रा

11 नवंबर की एक उज्ज्वल सुबह, छात्र प्रार्थना सभा के मैदान में एकत्रित हुए। उन्होंने दैनिक प्रार्थना की और अन्य गतिविधियों का संचालन प्रार्थना सभा के कार्यक्रम के अनुसार किया।

छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के बारे में भी जानकारी दी गई। भारत 11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाता है, जो देश के पहले शिक्षा मंत्री थे। इस दिन, भारत मौलाना आजाद के राष्ट्र-निर्माण में दिए योगदान को याद करता है। एक स्वतंत्रता सेनानी, विद्वान और शिक्षाविद मौलाना आजाद स्वतंत्र भारत के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे। छात्रों ने शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक शैक्षिक यात्रा निकाली (विद्यालय परिसर के भीतर, सभी COVID-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए)। छात्रों ने इस शैक्षिक पहल में भाग लेने के लिए काफी उत्साह दिखाया, क्योंकि लंबे समय बाद ऐसा अवसर आया था।

इस छोटे से भ्रमण के दौरान, साथ आने वाले शिक्षक ने छात्रों को बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का क्या महत्व है और हम इस दिन यात्रा क्यों निकालते हैं। यह कक्षा शिक्षण से अलग अनुभव था। हमने इस अनुभव से अवधारणाओं को अधिक तेजी से समझा। अनुभवात्मक शिक्षण का तरीका भिन्न था। हमने पाठ्यपुस्तकों के बाहर की चीजें सीखीं।

इसका उद्देश्य यह है कि छात्र किसी विषय को सभी संभावित दृष्टिकोणों से समझें, जिससे वे सब कुछ सीख सकें। यह भी सिद्ध हो चुका है कि क्षेत्रीय यात्राएँ युवा मन में ज्ञान समाहित करने का एक उत्कृष्ट तरीका हैं।

पारिस्थितिकी और संरक्षण यात्रा

प्रकृति संरक्षण का अर्थ है हमारे पर्यावरण और उसमें रहने वाले वन्यजीवन की रक्षा करना। इसमें जैव विविधता और ग्रह के स्वास्थ्य की देखभाल शामिल है। कई सरल तरीकों से बच्चे संरक्षण में शामिल हो सकते हैं और खतरे में पड़ी प्रजातियों और क्षेत्रों की मदद करना शुरू कर सकते हैं।

छात्रों को स्कूल के बगीचे और पार्क में पारिस्थितिकी यात्रा पर ले जाया गया। इस प्रकार की यात्राएँ छात्रों को विषयों को स्वयं समझने और सीखने में मदद करती हैं। ये छात्रों को जानकारी को स्वतः खोजने के लिए प्रेरित करती हैं, जो spoon-feeding (तैयार जानकारी प्रदान करने) से बेहतर होता है। यह अनुभव छात्रों को जो सीखा है, उसे लंबे समय तक याद रखने में मदद करता है।

राष्ट्रपति भवन संग्रहालय यात्रा

यह एक विश्व-स्तरीय संग्रहालय है जो उच्च तकनीकी कहानी-कथन प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है, जहां प्रासंगिक कहानियों को मूल संग्रहों के साथ बुना गया है। इस संग्रहालय की विशेषता इसकी घटना-आधारित इतिहास संग्रहालय की अवधारणा है, जो देश के पारंपरिक वस्तु-आधारित संग्रहालयों से भिन्न है। यहां राष्ट्रपति भवन की कहानी वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी, इंटरैक्टिव डिजिटल टेबल, वीडियो वॉल, थ्री-डाइमेंशनल प्रोजेक्शन, होलोग्राफिक प्रोजेक्शन और ध्वनि-प्रकाश-वीडियो सुसंगत मंच सेटिंग्स के माध्यम से बताई जाती है।

डिजिटल कहानी-कथन दृष्टिहीन और मूक-बधिर आगंतुकों के लिए भी अनुकूल है। संग्रहालय देश में अपनी संवेदनशीलता के लिए भी अद्वितीय है। इसे 11,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में पूरी तरह से भूमिगत बनाया गया है, जिसमें लुटियंस द्वारा डिज़ाइन की गई विरासत संरचनाएँ शीर्ष पर बनी हुई हैं।

राष्ट्रपति भवन संग्रहालय छात्रों के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी-समर्थित, आगंतुक-इंटरैक्टिव कहानी-कथन संग्रहालय के रूप में उभरता है। यह छात्रों को बिना किसी अतिरिक्त व्याख्या के विषयों को समझने में मदद करता है और उन्हें आत्मनिर्भरता से जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे सीखना और अधिक स्थायी हो जाता है।